नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

छेड़छाड़ पर सख्त कार्रवाई हो

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज के साथ चलती बस में हुई छेड़छाड़ की घटना न सिर्फ एक आपराधिक वारदात है, बल्कि हमारी सार्वजनिक सुरक्षा और संस्थागत लापरवाही का काला परिचय भी है. एक ऐसी खिलाड़ी जो देश का नाम ऊंचे मंचों पर रोशन करती है, अगर बस में यात्रा के दौरान अपनी इज्जत बचाने के लिए संघर्ष करे तो यह समाज के लिए शर्मनाक संकेत है. घटना के दौरान पीड़िता ने साहस दिखाया और आरोपियों का विरोध कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन सवाल यह है कि क्या हर बार महिला को ही सुरक्षा की जिम्मेवारी उठानी होगी. कथित तौर पर नशे में धुत कंडक्टर और ड्राइवर द्वारा बस सड़क पर छोड़कर फरार हो जाना सिर्फ आपराधिक कृत्य नहीं, वह यात्रियों के विश्वास के साथ बड़ा धोखा भी है.

यह घटना यह स्पष्ट करती है कि निजी बस ऑपरेटरों के संचालन में पारदर्शिता और जमकर नियमों की कमी है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा संकट में है. इंदौर पहले भी ऐसी घटनाओं का गवाह रह चुका है और बार-बार आश्वासन के बावजूद ठोस सुधार दिखाई नहीं देते, जिसका खामियाजा सीधे महिलाओं और सामान्य यात्रियों को भुगतना पड़ता है. किसी घटना पर केस दर्ज कर लेना आवश्यक कदम है, परन्तु यह अपर्याप्त है अगर साथ में सिस्टम में नीतिगत और तकनीकी सुधार न हों. प्राथमिक और तात्कालिक कदम के तौर पर सभी निजी बसों के ड्राइवरों और कंडक्टरों का अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन लागू होना चाहिए ताकि आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग यात्रियों की ज़िम्मेदारी न उठाएं.

दूसरा कदम यह होना चाहिए कि बस स्टाफ के नशे में होने की किसी भी शिकायत पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाए और तुरंत निलंबन व कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

तीसरा और निर्णायक कदम तकनीकी प्रावधानों का अनिवार्य करार देना है, जिसमें हर बस में पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम शामिल हों, ताकि आपातकालीन स्थितियों में तुरंत कार्रवाई संभव हो. इन उपायों के साथ यात्रियों के लिए एक सीधी शिकायत लाइन और शिकायतों का शीघ्र निवारण भी सुनिश्चित होना चाहिए ताकि पीड़ित को तत्काल राहत और न्याय मिल सके. परिवहन विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस के संयुक्त निरीक्षण और ऑडिटिंग सिस्टम के माध्यम से निजी बस ऑपरेटरों की सामयिक जांच अनिवार्य होनी चाहिए. सिर्फ दंडात्मक कार्रवाई करने भर से समस्या जड़ से खत्म नहीं होगी, इसलिए चालक और कंडक्टर भर्ती के समय प्रशिक्षण, मानसिक परीक्षण और रेगुलर रिफ्रेशर कोर्स भी अनिवार्य किए जाने चाहिए. समाज को भी स्थिति की गंभीरता समझकर सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी और हर नागरिक को ऐसे कृत्यों के खिलाफ सक्रिय होना चाहिए. अगर प्रशासन तुरंत और कठोर कदम नहीं उठाता, तो ऐसी घटनाएं अनवरत होती रहेंगी और सार्वजनिक परिवहन का भरोसा कमजोर होता रहेगा.

इंदौर की यह घटना केवल एक स्थानीय घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति हमारी संवेदनशीलता का आईना है, इसलिए अब समय है कि बोलकर नहीं, कर के दिखाया जाए. जाहिर है दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिलनी चाहिए. इस तरह की शर्मनाक घटनाएं फिर से ना हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए.

मानवता के साधक-आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

175 पंचकल्याणक कराकर बनाया जैन इतिहास

ऋषभ जैन

भारतीय वसुन्धरा पर अनादि सनातन श्रमण-संस्कृति, जैन धर्म में दिगम्बर आचार्य, उपाध्याय एवं वीतरागी दिगम्बरी यथाजात, पग-विहारी, करपात्री मुनियों का स्तुत्य है. क्षमाशीलता, अहिंसा-प्रियता, शाकाहार, निष्पृहता, सत्याचरण, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रहता आत्मोकर्ष ही इनका लक्ष्य है. जैन साधकों की कठिन चर्या और क्रियाएँ जन-सामान्य के लिए प्रेरणा- पुंज हैं. ऐसे ही साधक हैं, आध्यात्म के पुरोधा, योगी दिगम्बर जैनाचार्य 108 विशुद्ध सागर महाराज. आज से 35 साल पहले 21 नवम्बर 1991 के दिन इन्होंने अपने गुरू श्री विराग सागर महाराज से दीक्षा प्राप्त कर मात्र 17 साल की उम्र से ही गृह त्याग कर वीतराग के कठिन मार्ग पर चल पड़े. तब से अब तक 13 राज्यों में एक लाख 25 हजार किलोमीटर से ज्यादा पग विहार कर चुके हैं.

ऐसे महान साधक, जिनकी धर्म प्रभावना से प्रभावित होकर 60 से ज्यादा गृहस्थ मुनि-दीक्षा लेकर संयम मार्ग को प्रशस्त कर रहे हैं. इनसे दीक्षित मुनियों की अधिकतर लौकिक शिक्षा यथा इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउटेंटस और अन्य विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त हैं. कुछ मुनियों ने लाखों रूपयों का पैकेज छोड़कर आत्म साधना मार्ग को चुना है. आचार्य की प्रेरणा से सैक?ो युवा, ब्रम्हचर्य व्रतादि ग्रहण कर अपना जीवन सार्थक कर रहे हैं.

दीक्षा प्रदाता समाधिस्थ आचार्य विराग सागर- मध्यप्रदेश के चम्बल संभाग के भिण्ड जिले के रूर गाँव में 19 दिसम्बर 1971 को सभ्रान्त परिवार के राजनारायण के यहाँ योग्य संतान का जन्म हुआ. नाम रखा राजेन्द्र पर इन्हें स्नेह से लला नाम से पुकारा जाता था. लला ने बाल्यकाल में मात्र 10 वर्ष की वाल्य अवस्था में जैनत्व के मूल नियमों का पालन करना शुरू कर दिया था. मुनि विराग सागर महाराज के भिण्ड प्रवास में उनकी देशना से प्रभावित होकर 11 अक्टूबर 1989 को भिण्ड में छुल्लक दीक्षा अंगीकार की. इसके बाद 19 जून 1991 को ऐलक दीक्षा और 5 महीने ही बीत पाए थे कि आचार्य श्री विराग सागर महाराज से ही पन्ना जिले के जैनतीर्थ श्रेयांसगिरि में 21 नवम्बर 1991 को दिगम्बर मुनि की दीक्षा ले ली. अब नाम रखा गया विशुद्ध सागर. गुरू विराग सागर महाराज ने इनकी लगन और धर्म प्रभावना को देखते हुए आपको औरांगाबाद (महाराष्ट्र) में 31 मार्च 2007 महावीर जयंती के पावन दिन आचार्य पद से विभूषित किया.

175 पंचकल्याणक का बना कीर्तिमान- पंच कल्याणक महोत्सव कराने के मामले में विशुद्ध सागर महाराज ने कीर्तिमान स्थापित किया है. अब तक 175 पंच कल्याणक निर्विघ्न सम्पन्न हो चुके हैं. इस साल वर्ष 2025 में 20 पंच कल्याणक में भगवान को सूरी-मंत्र देने वाले इकलौते महान साधक विशुद्ध सागर हुए हैं. आपका नाम यू.एस.ए. बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज है.

सर्वाधिक साहित्य सृजन- साहित्य तत्व-ज्ञान को प्रदान करता है. साहित्य से तत्व विद्या सुरक्षित रहा करती है. साहित्य हमारी धरोहर है. साहित्य से हमारे संस्कार सुरक्षित होते हैं. आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी, हिन्दी के साथ-साथ प्राकृत, संस्कृत, मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी- गुजराती आदि भाषाओं में पारंगत हैं. उन्होंने विपुल मात्रा में साहित्य सृजित किया है. लौकिक शिक्षा भले ही इनकी दसवीं कक्षा तक ही हुई है पर इतनी अल्प शिक्षा के बाद भी नीतिशास्त्र का अलौकिक ग्रन्थ सत्यार्थ बोध सृजित कर विश्व कीर्तिमान बनाया है. इस ग्रन्थ के सृजन पर ब्रिटिश नेशनल यूनिवर्सिटी क्वीन मेरी यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका द्वारा आपको डी.लिट उपाधि से सम्मानित किया गया है. वस्तुत: सत्यार्थ बोध आध्यात्म योगी विशुद्ध सागर के अंतरंग मन के चित्त के चिंतन,मंथन, चैतन्य के तत्व ज्ञान से उदभूत मौलिक कृति है. यह पाश्चात्य संस्कृति से अंशात पथ भ्रमित मानव को स्वात्म संस्कृति के प्रति चैतन्य कर सुप्त मानवीय आदर्शों को जाग्रत करता है.

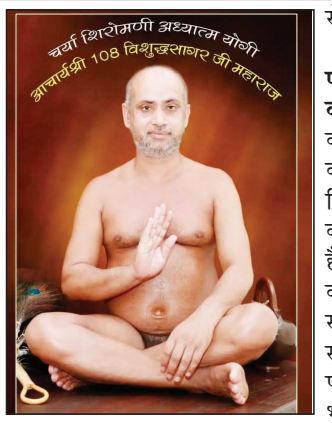

उत्कृष्ट प्रवचनकार - आचार्य श्री हिन्दी के साथ प्राकृत, संस्कृत और अप्रभंश का गहरे स्तर का ज्ञान रखने वाले उत्कृष्ट चिंतक, सर्जक के साथ ही सम्प्रेषणीय प्रवचनकार हैं. प्रतिदिन संघस्थ साधुओं की तीन कक्षाएँ बिना नागा लेते हैं. जैन साधकों में यह आचार्य इकलौते हैं जिनका किसी भी स्थान पर विश्राम हो, वह धर्मप्रेमियों को प्रवचन की परम्परा सतत रूप से कायम किए हुए हैं. आश्चर्य का विषय है कि इतने व्यस्त रहकर और लगातार पग विहार करने के वाबजूद ग्रन्थों का सृजन कैसे कर लेते हैं?

सर्वाधिक समय मौन साधना- आपने जीवन पर्यन्त वस्त्र त्याग कर निर्ग्रन्थ अवस्था स्वीकार की है. जीवन पर्यन्त वाहन से विचरण न करने का नियम है. जीवन पर्यन्त नमक, तेल, दही एवं मीठा आदि सेवन का त्याग है. रात्रि में पूर्ण मौन रहते हैं. अष्टमी, चतुर्दशी, अष्टानिका और पर्यूषण पर्व में मौन साधना करते हैं.

महाकौशल की डायरी

एप में नाम ढूंढना बनी टेढ़ी खीर

अविनाश दीक्षित

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के काम में इन दिनों बीएलओ और मतदाता दोनों ही अपने-अपने माथे पकड़ने मजबूर हो रहे हैं. जबलपुर में कई जगह तो बीएलओ अपने-अपने वरिष्ठ अधिकारियों को कोसते हुए नजर आए, वजह जब उनसे जानी गई तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों से मैन्युअल मतदाता सूची मांगी जा रही है लेकिन वह दे नहीं रहे हैं. ऐसे में एप के माध्यम से खोजने पर वार्ड और विधानसभा तो छोड़ो पूरे देश व प्रदेश का नाम आ रहा है. इसमें फिर विधानसभा और फिर वार्ड व बूथ तक मतदाताओं के नाम खोजना पड़ रहे हैं जो कि काफी टेढी खीर साबित हो रहा है. मतलब साफ है एप से काम करना बीएलओ को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है.

उधर मतदाता भी ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वर्ष 2003 की वार्डवार मैन्युअल मतदाता सूची लेकर बीएलओ को उनके पास पहुंचना चाहिए, इससे सबंधित बूथ की लिस्ट में मतदाता के नाम को आसानी से खोजा जा सकता है.

गौरतलब है कि प्रशासन का पूरा अमला मैदान पर है और बीएलओ की जिम्मेदारी है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में संबंधित परिवार के लोगों का नाम है कि नहीं ये जानकारी देने की लेकिन फिलहाल अभी ये काम बीएलओ जनता पर छोड़ते नजर आ रहे हैं. आलम यह है कि जिन गिने चुने राजनीतिक कार्यकर्ताओं के पास 2003 की मतदाता सूची है उन इलाकों में बीएलओ ज्यादा परेशान नहीं दिख रहे किन्तु जहाँ यह उपलब्ध नहीं है वहां जानकारी जुटाना बीएलओ के लिए मुश्किल हो रहा है. उधर एसआईआर के कामकाज देख रहे अफसर हंटर फटकारे जा रहे हैं.

यात्रा और स्वास्थ्य भत्तों में हो गया करोड़ों का खेल...

वैसे तो घोटाला नाम ही ऐसा है जिसकी जांच की जद में नाम आने के बाद अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाते हैं और कुछ यही भय इन दिनों छटवीं बटालियन रांझी के अधिकारी-कर्मचारियों के खेमे में नजर आया.. वजह छटवीं बटालियन रांझी में करीब 4 करोड़ रुपए के भत्ता घोटाले के खुलासे का.. शुरूआती जांच हुई तो 12 कर्मचारियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए.

जानकारों का जो पक्ष सामने आ रहा है उससे तो साफ है कि ये घोटाला सिर्फ 4 करोड़ तक सीमित नहीं रहने वाला है ये आंकड़ा अभी और बढ़ने वाला है. खबर है कि छटवीं बटालियन रांझी में यात्रा और स्वास्थ्य भत्तों के नाम पर शासकीय राशि का गबन किया है. जबलपुर में इस घोटाले का खुलासा हुआ तो भोपाल में बैठे पुलिस के आला अधिकारियों के कान खड़े हो गये हैं. देखना दिलचस्प होगा कि इस घोटाले की जद में कौन कौन आते हैं.

जनता के राडार पर पुलिस कप्तान

महाकौशल के दो सबसे चर्चित शहर जबलपुर और सिवनी इन दिनों अपने पुलिस कप्तानों की लचर कार्यशैली के लिए चर्चाओं में हैं. सिवनी में जहां 2.96 करोड़ के हवाला लूटकांड में पुलिस कर्मियों की सहभागिता का खुलासा हुआ तो वहीं जबलपुर में बीते 3 माह में लूट, चाकूबाजी, दुष्कर्म और हत्याओं की वारदातों ने कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है. शहरवासियों के बीच चर्चाएं हैं कि पुलिस का किसी भी अपराधी को कोई भय नहीं है जिसका नतीजा है आए दिन जबलपुर में अपराध बड़ी संख्या में घटित होते जा रहे हैं. चाकूबाजी से हत्याओं से आए दिन सड़के खून से लाल हो रहीं हैं. ऐसे में लोग अब ये कहने लगे हैं कि हमे ऐसा पुलिस कप्तान नहीं चाहिए जिनके राज में ऐसा जंगलराज बना हुआ है. उधर सिवनी में पुलिस कर्मियों द्वारा घटित किए गए हवाला लूटकांड को लेकर भी कहीं न कहीं एसपी की ढिलाई चर्चाओं का विषय बनी हुई है जिसका नतीजा था कि कांड में डीजीपी ने डीएसपी पूजा पांडे सहित 9 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया था और जांच के निर्देश दिए थे. मामले में अभी तक 2 डीएसपी, एक कांस्टेबल, एक टीआई की भागीदारी सामने आई है जिससे साफ है कि हवाला लूटकांड की पूरी स्क्रिप्ट दो डीएसपी, एक टीआई, कांस्टेबल ने लिखी थी.

डिजिटल धोखाधड़ी से बचना आवश्यक

रिजर्व बैंक तथा अन्य संस्थानों द्वारा जनहित में जारी सतर्कता बरतने की चेतावनी के बावजूद डिजिटल फ्रॉड व डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़ते जा रहे हैं. सुशिक्षित लोग भी साइबर ठगों के शिकार बन जाते हैं. डिजिटल धोखाधड़ी में 200 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है तथा लोगों को 22,845 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है. लोगों से अपील की जाती है कि वह अपना ओटीपी नंबर किसी के साथ शेयर न करें लेकिन होता यह है कि हर कोई अपना ओटीपी नंबर कुरियर को भुगतान करने या ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए शेयर करता है. आधार सत्यापित करने, आयकर रिटर्न फाइल करने में, बैंकिंग के काम में भी लोग बड़ी सहजता से ओटीपी बताते हैं. इसलिए यह गोपनीय नहीं रह पाता. बताते समय कोई तीसरा व्यक्ति उसे सुन भी सकता है. यद्यपि भारत में ऑनलाइन पेमेंट से लोगों को काफी सुविधा हुई है. इससे समय व लागत दोनों की बचत होती है. ट्रांजेक्शन का खर्च भी बचा है. लोग दिन भर में कई बार डिजिटल पेमेंट में ओटीपी का इस्तेमाल करते हैं. किसी लुभावने फोन कॉल के जाल में फंसकर अनजान व्यक्ति को ओटीपी नंबर बताने का नतीजा यह होता है कि बैंक खाता निल हो जाता है. मेहनत से जमा की गई रकम पर ठग हाथ साफ कर देते हैं. इसे देखते हुए बड़े वित्तीय लेन-देन के लिए ओटीपी की बजाय एफटीपी (फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पासवर्ड) शुरू किया जा सकता है. यह रोजमर्रा के सामान्य ओटीपी से अलग रहेगा. इसका उपयोगकर्ता या यूजर भी इसका महत्व समझकर सतर्क रहेगा. बैंक व पेमेंट सिस्टम इंटरफेस अधिकृत रकम हस्तांतरण के लिए एफटीपी का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल कर सकते हैं. यह वित्तीय संस्थाओं के लिए भी उपयुक्त होगा. साइबर सुरक्षा समय की मांग है क्योंकि इस प्रकार की धोखाधड़ी बढ़ती ही जा रही है. लोगों को किसी की मीठी लुभावनी बातों या धमकी पर संदेह होते ही पुलिस को सूचित करना चाहिए.

लोगों से अपील की जाती है कि वह अपना ओटीपी नंबर किसी के साथ शेयर न करें लेकिन होता यह है कि हर कोई अपना ओटीपी नंबर कुरियर को भुगतान करने या ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए शेयर करता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

गलत है मन में घुटते रहना, अच्छा है कभी-कभी रोना

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, मुंबई के उपनगर के प्लेटफॉर्म पर एक व्यक्ति बेंच पर अकेला बैठा रो रहा था. किसी ने उसका वीडियो बनाकर ऑनलाइन शेयर कर दिया लेकिन किसी ने उसके दुख की वजह नहीं पूछी.'

हमने कहा, इंसान को हिम्मत के साथ मुश्किलों का सामना करना चाहिए. रोना कमजोरी की निशानी है. लड़कों को बचपन में ही डांटकर कह दिया जाता है कि तुम लड़के हो, क्या लड़कियों की तरह रोते हो? अमिताभ बच्चन ने भी एक फिल्म में कहा था- मर्द को दर्द नहीं होता. चुलबुले और रोमांटिक किरदार निभाने वाले किशोर कुमार या देव आनंद को क्या किसी फिल्म में आपने रोते देखा था? हमारे नेता भी चुनाव हारने के बाद नहीं रोते. उन्हें मालूम है कि हार-जीत तो लगी ही रहती है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, मर्द हो या औरत, रोना सभी को आता है. कोई खुलकर रोता है तो कोई छुपकर. आपने गुलाम अली की गजल सुनी होगी- चुपके-चुपके रात-दिन आंसू बहाना याद है, हमको तो आशिकी का वो जमाना याद है। पुरानी हिंदी फिल्मों में ट्रेजेडी किंग दिलीपकुमार और ट्रेजेडी क्वीन मीनाकुमारी को आप रोता हुआ देख सकते हैं. पुरानी फिल्म मेला, जोगन, बाबुल, देवदास में दिलीपकुमार ने हताश प्रेमी के रूप में खूब आंसू बहाए थे. मशहूर गायक मोहम्मद रफी पर बेतुकी टिप्पणी करते हुए अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने कहा था-मोहम्मद रफी गाते कहां थे।वो तो रोते थे. उन्हें यह नहीं पता कि रफी ने दर्द भरे गीतों के अलावा शम्मी कपूर और जॉनी वाकर के लिए मस्ती भरे गीत भी गाए थे.'

हमने कहा, 'रोना बुरी बात नहीं है. मन में घुटते रहने की बजाय खुलकर रो लेना अच्छा है. आंसुओं में दिल का गुबार बह जाता है. खुशी और गम दोनों जीवन का हिस्सा हैं. जो संवेदनशील व्यक्ति है वह दूसरों के लिए भी रो लेता है. जब कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद राज्यसभा से रिटायर हुए थे तब प्रधानमंत्री मोदी की आंखों में आंसू आ गए थे. आपने गीत सुना होगा जो हमने दास्तां अपनी सुनाई आप क्यों रोए!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12087 - डॉ. सागर खादीवाला

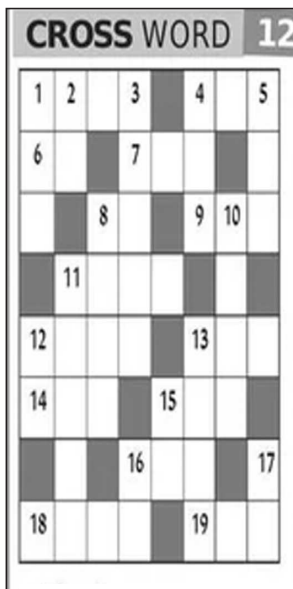

ऊपर से नीचे
1. करधनी, श्रृंखला, तगड़ी 2. मकान, आवास 3. वह चादर जिस पर थाली रखकर मुसलमान लोग भोजन करते हैं (उर्दू) 4. ढाल, उत्तरने की क्रिया 5. नाम से प्रसिद्ध, नाम धारण करने वाला 8. मकान के आगे धूप से बचने के लिए लगाया गया टीन आदि का छाजन 10. सिसकी मारकर रोना 11. मन में होने वाला वैमनस्य 12. पितामह, दादा 13. प्रथा, रिवाज, किसी वस्तु का बरावर व्यवहार में आता रहना या होना 15. 17 नाम, नाव 16. दर्रा, दो पहाड़ों के बीच का तंग रास्ता 17. चारे की सामग्री जो पानी में मिलाकर पशुओं को खिलाई जाती है, मुकाबले का, दूसरा

बाएं से दाएं
1. रावण के पुत्र इंद्रजीत का नाम, बादल का गर्जन 4. उस मात्रा का 6. खच्चर, गधा, सख्त 7. जड़ता, स्थिरता 8. निष्कर्ष, सत्त, अर्क 9. रस या आनंद लेने वाला 11. शराबखाना (उर्दू) 12. ठसक, ठाठबाट 13. प्रत्यक्ष, सबके सामने, प्रत्यक्ष रूप से 14. एक वृक्ष जिसके फल बैगनी रंग के होते हैं 15. नृत्य करना 16. आहत, जख्मी 18. एक प्रकार की मोटी और फूली हुई खमीरी रोटी, डबल रोटी 19. सीढ़ी

Solution 12086

सु	थ्रि	ता	से	न		शो	क
हा		क	ना	त			त
ग	ल	त		न	भ	च	र
न	ट	व	र		य	म	न
	क	र	त	व		त्फ	
गु	ना		ज		ज	त	न
ना		उ	गा	ह	ना		क
ह	सी	न		त	ब	दी	ल

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में राजनैतिक कार्यो में सफलता मिलेगी, नवीन योजनाों का शुभारंभ होगा, वर्ष के मध्य में तीर्थ यात्रा या धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी, राज सम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में पारिवारिक चिन्ता से मन विचलित रहेगा, कार्यक्षेत्र में आकस्मिक रूकावटें आयेंगी, धन संकट का सामना करना होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को राजसम्मान मिलेगा, प्रभाव में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को तीर्थ यात्रा करना होगी, धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक परेशनी से मन विचलित रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को साहस बना रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्ति यात्रा प्रवास के शौकीन होते हैं.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक परोपकारी स्वाभाव का होगा, परिश्रमी लगनशील उत्साही, और निष्ठावान होगा, पिता के साथ बैचारिक मतभेद हो सकते है, किन्तु बाद में उनके प्रति झुकाव रहेगा, कृषि, मकान, वाहन, आदि का सुख रहेगा, कृषि क्षेत्र में उन्नति होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

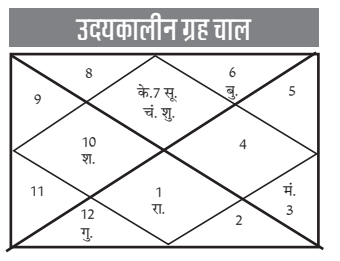

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा भृगुवासरे दिन 1/10, अनुराधा नक्षत्रे दिन 1/23, अतिगण्ड योगे दिन 11/5, वव करणे सू.उ. 6/39, सू.अ. 5/21, चन्द्रचार वृश्चिक, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में 30 से 40 रूपये की तेजी होने की संभावना है, धान्यों के भाव में स्थिरता रहेगी, रूई, सूत, कपास, वस्त्र, जूट, पाट, बारदाना, के भाव में मंदी होगी, गुड़ खांड़ में तेजी होगी, भाग्यांक 3421 है.

मेष- नये मकान पर विचार होगा, किसी का सहयोग लाभदायक रहेगा, आर्थिक क्षेत्र में उननति होगी, किसी अभिन्न मित्र से भेंटवार्ता करनी पड़ेगी.

वृषभ- निजी कार्यो को टालने से समस्या बढ़ सकती है, किसी बड़े आयोजन पर विचार विमर्श होगा, खानपान की अनियमितता रहेगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

मिथुन- युवाओं को अच्छी सफ्लता के योग हैं, कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है, संतान के कार्यो में व्यय होगा, आर्थिक मामलों में सावधानी बांछनीय.

कर्क- नई जिम्मेदारी से आप परेशान हो सकते हैं, विवाद से बचना चाहिये, पारिवारिक सुख एवं सहयोग में वृद्धि होगी, मांगलिक कार्य बनेगा.

सिंह- रूकी योजनायें फिर शुरू हो सकती हैं, दौड़धूप से स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी, ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे सम्मान में कमी हो.

कन्या- वैवाहिक चर्चाओं में सफ्लता मिलेगी, मित्रों की कहासुनी का मलाल रहेगा, दायित्वों की पूर्ति होगी, व्यवसायिक क्षेत्र में लाभ होगा.

तुला- नाराज चल रहे लोगों को मनाना मुश्किल होगा, दिखावे के कारण खर्च अधिक होगा, पूज्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, भ्रमण मनोरंजन का योग है.

वृश्चिक- किसी की सिफारिश से रूका कार्य पूरा होगा, ऐसा कार्य बनेगा, जिससे निजी सुख में वृद्धि होगी, उठाईगीरों से सावधानी रखें.

धनु- सामाजिक जीवन में मान सम्मान बढ़ेगा, कामकाज को लेकर व्यस्त रहेंगे, संतान संबंधी सुखद समाचार की प्राप्ति होगी, यात्रा,देशाटन वाहन सुख प्राप्त होगा.

मकर- जोखिम के कार्यो से बचें, पारिवारिक आयोजन से प्रसन्नता होगी, पदोन्नति में सुख का अनुभव होगा, उलझनों के साथ सफ्लता मिलने का योग है.

कुम्भ- अपूर्ण समाचारों पर लिये गये फैसले बदलना पडेंगे, मांगलिक कार्यो में सफ्लता मिलेगी, अधिकारियों का सहयोग बना रहेगा.

मीन- धीमी शुरूआत के बाद भी कार्यक्षेत्र में अच्छी सफ्लता मिलेगी, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, संतोष बना रहेगा.

SUDOKU 7219

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7218

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6